कृषि-सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले कृपया भारत सरकार/ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करें।

दिसंबर 2021 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियां

1. शीतकालीन धान

- *जब फसल 80-85% तक पक जाएं तो हंसुआ या कंबाइन हार्वेस्टर या रीपर का उपयोग करके फसल की कटाई करें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी की मात्रा सहित धूप में सुखाएं और बीज के प्रयोजन के उद्देश्य से बेहतर भंडारण के लिए धान के दानों को 12% नमी मात्रा तक सुखाएं। उपज के बेहतर मूल्य के लिए प्रत्येक किस्म को बिना मिलाए अलग-अलग पैक करें।*
- *धान/चावल के सुरक्षित एवं लंबी अवधि के भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग' का उपयोग करें। कटे हुए धान को बेमौसम वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उपयुक्त तरीके से ढकने हेतु बोरियों में भरें और ढेरों में भंडारित करें।*
- *भंडारित धान दानों में कीटों के संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्युमिनियम फॉस्फाइड टिकिया (आवासीय घरों में इसे उपयोग न करें) 3 टिकिया/टन धान दर पर (कुल 9 ग्राम की टिकिया) का उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद डिब्बों में या अनाज की थैलियों को मोटे तिरपाल सहित बिना कोई खाली स्थान छोड़े ढककर धूमन करें। टिकियों को ढेरों में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन पूरा करने के बाद अवशेषों को त्यागने में मदद करता है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी या चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत से प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की न्यूनतम एक्सपोजर अवधि बनाए रखें।*
- *यदि चूहों की समस्या देखी जाती है, तो खेत और आसपास के क्षेत्रों में चूहों के बिल का पता लगाएं। एल्युमिनियम फॉस्फाइड 6% टैबलेट दर पर एक टैबलेट (12 ग्राम) प्रति बोर रखें और बिल को मिट्टी से बंद कर दें जिससे चूहें मर जाएंगे।*

2. शुष्क मौसम धान

2.1 प्रतिरोपित धान

- *सीआर धान 601, आईआर 64, चंदन, ललाट, उन्नत ललाट, नवीन, सीआर धान 311, सीआर धान 310, खंडगिरी, बीना धान 11, सीआर धान 205, सीआर धान 206, एमटीयू 1010, लूणा सांखी (तटीय लवणीय क्षेत्रों के लिए) किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज की खरीद करें। गीली सीधी बुआई बीज वाले धान के लिए नवीन, शताब्दी, उन्नत ललाट और सीआर धान 203 किस्मों की खेती करें।*

- *कीचड़दार मिट्टी में गीली नर्सरी बीज क्यारी को 120 सेंटीमीटर चौड़ी, 10 सेंटीमीटर ऊंचाई एवं सुविधाजनक लंबाई से और दो क्यारियों के बीच 30 सेंटीमीटर के अंतराल के साथ तैयार करें। एक एकड़ मुख्य खेत में रोपाई के लिए लगभग 320 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है।*
- *बीज का उपचार कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1.5 ग्राम/किलोग्राम बीज दर पर या ट्राइकोडर्मा सूत्रण 10 ग्राम/किलोग्राम दर पर बीजोपचार किया जाना चाहिए।*
- *ठंडे सर्दियों के दिनों में धान की नर्सरी को ठंड से बचाने के लिए, क्यारी को अपेक्षाकृत गर्म रखने के लिए गीली क्यारी में बीज बोने के बाद अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर खाद की एक पतली परत डालें। शाम को सिंचाई के लिए बोरवेल के पानी का उपयोग करें और सुबह के समय ठंडे पानी को निकाल दें ताकि अनुकूल वृद्धि हेतु मिट्टी का तापमान बना रहे। अत्यधिक ठंड से प्रभावित क्षेत्रों में रात के समय पॉलीथिन का प्रयोग करें।*
- *स्वस्थ पौध के लिए, आधारी मात्रा के रूप में आधा किलोग्राम सड़ी हुई गोबर और 0.5 ग्राम जस्ता प्रति वर्गमीटर के साथ 5:5:5 ग्राम नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश डालें।*
- *नर्सरी की सतही मिट्टी में गीलापन बनाए रखने के लिए सिंचाई के पानी को हल रेखा में डालें। अंकुरित पौधों को उखाड़ने से पहले कम से कम 2-3 दिनों तक 2-3 सेंटीमीटर स्तर तक खड़े पानी को बनाए रखना चाहिए।*
- *अत्यधिक खरपतवारग्रस्त वाले क्षेत्र में, नर्सरी में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए, पाइराज़ोसल्फ्यूरोनिथाइल 10% डब्ल्यूपी (साठे) 80 ग्राम/एकड़ दर पर बुवाई के 3-5 दिनों के बाद या बिस्पाइरिबैक सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली/एकड़ दर पर बुवाई के 10-12 दिनों बाद (या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में) 120 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।*
- *नर्सरी में, जहां तना छेदक के प्रकोप होने की उम्मीद है, सिरफोल्योर के साथ फेरोमोन ट्रैप लगाने की सिफारिश की जाती है (कम से कम 3 प्रति 200 वर्गमीटर नर्सरी)। जब 4 या 5 नर कीट/जाल की संख्या तक पहुंच जाए, तो अज़ाडिराक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी फॉर्मूलेशन 800 मिली/एकड़ दर पर या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर पर या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर रेत 1:1 के अनुपात में या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर पर 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का प्रकोप देखा जाता है, तो एनएसकेई (अजाडिरक्टिन) 800 मिली/एकड़ दर पर या लंबाडा-सायहोलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर पर या थियामेथोजाम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *यदि नर्सरी में पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे तो कार्बेडाजिम 400 ग्राम/एकड़ की दर से या प्रोपिकोनाजोल 200 ग्राम 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग करें।*
- *समय पर रोपाई के लिए मुख्य धान के खेत की जुताई की तैयारी पूरी करें।*

2.2 गीली सीधी बुआई धान

- *पूर्व-अंकुरित उपचारित बीजों की बुवाई कीचड़दार मिट्टी में या तो छिटककर या ड्रमसीडर का उपयोग करके पूरी करें।*
- *उचित स्थापना और रोपाई के शुरुआती विकास के लिए पानी की केवल एक पतली परत बनाए रखें।*
- *खरपतवारों के नियंत्रण हेतु, पाइराज़ोसल्फ्यूरोनिथाइल 10% डब्ल्यूपी (साठे) 80 ग्राम/एकड़ दर पर बुवाई के 3-5 दिनों के बाद 120 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें या 4 किलोग्राम रेत में बेंसल्फ्यूरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर दानेदार शाकनाशी मिलाकर छिटकावा पद्धति अपनाएं या बिस्पाइरिबैक सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली/एकड़ दर पर बुवाई के 10-12 दिनों बाद (या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में) 120 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।*
- *खेत को कीचड़दार करते समय आधारी मात्रा के रूप में 44 किलो डीएपी और 33 किलो एमओपी प्रति एकड़ डालें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की खेती के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*